Export Target

90. CHAUDHARY HARMOHAN SINGH:
SHRI KANAKSINH MOHANSINH MANGROLA:

Will the Minister of COMMERCE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the export target of 30 per cent annual increase had been fixed;

(b) if so, what wa» the yeawise target of export achieved during the last two year»i

(c) whether It Is also a fact that the liberalised policy of the country Is causing hindrances in achieving the export target; and

(d) if so, what is Government's reaction thereto?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COMMERCE (SHRI F. CHIDAMBARAM): (a) The indicative export target for the year 1995-96 envisages, around 18% to 20% growth in dollar terms over the exports valued at US$ 26223 million during 1994-95.

(b) Exports registered a 20% growth rate in dollar terms in 1993-94 which was the same as the target set for that year. In 1994-95, no formal target was set though Trade and Industry were exhorted to achieve 25% export growth, in US dollar terms. Actual export growth registered during 1994-95 Is provisionally estirnated Bt 18.3% In dollar terms,,

(c) No, Sir.

(d) Does not arise.

मध्य प्रदेश में कोयला खानें

91. **श्री अजीत जोगी** : क्या कोयला मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) मध्य प्रदेश में कोयला खानो का ब्यौरा क्या है और उनमें कार्यरत श्रमिकों की संख्या कितनी हैं;

(ख) गत तीन वर्षो के दौरान इन खानों से प्रतिवर्ष कोयले का कितना उत्पादन किया गया; और

(ग) उक्त अवधि के दौरान इन खानों द्वारा कितना लाभ अर्जित किया गया?

कोयला मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अजित कुमार पांजा) : (क) मध्य प्रदेश में 135 कोयला खाने है और इन खानों में कुल 1,32,360 श्रमशक्ति नियोजित है।

(ख) इन खानों में वर्ष-वार उत्पादन का विस्तृत ब्यौरा नीचे दिया गया हैं:-

वर्ष	**(आंकड़े मिलियन टन में)**
1992-93	70,49
1993-94	72.86
1994-95	75.12 (अनंतिम)

(ग) उपर्युक्त अवधि के दौरान इन खानों द्वारा कमाए गए लाभ की राशि नीचे दर्शायी गई हैं:

वर्ष	**(लाख रू. में)**
1992-93	438.47
1993-94	627.15
1994-95	कमाए गए लाभ का विस्तृत ब्यौरा केवल लेखा-परीक्षा के पूरा किए जाने के बाद ज्ञात हो सकेगा।

मसालों का निर्यात

92. **श्री रहस बिहारी बारिक** : क्या वाणिज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) इस समय कौन-कौन से विभिन्न प्रकार के मसालों का निर्यात किया जाता हैं;

(ख) गत तीन वर्षो के दौरान मसालो के निर्यात से कुल कितनी विदेशी मुद्रा अर्जित की गई;

(ग) इन वर्षो के दौरान किन-किन देशों को मसालों का निर्यात किया गया ; और

(घ) तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

~~fa~~—**वाणिज्य मंत्रालय के राज्यमंत्री (श्री पी. चिदम्बरम्)** : (क) इस भारत से निर्यात किये जाने वाले मसालों की मुख्य मदें है:-- काली मिर्च, इलायची, मिर्च, अदरक, हल्दी, धनिया, सफेद जीरा, सेलेरी, मंगरेला, मेथी, सोआ, अजवायन, सौंफ, लहसून, हींग, इमली, केसर , करी पाउडर तथा मसाला तेल एवं ओलियो रेसिन।

(ख) पिछले तीन वर्षो के दौरान मसालों के निर्यात से अर्जित कुल विदेशी मुद्रा निम्नानुसार हैं:-

वर्ष	(मूल्य करोड़ रू. में)
1992-93	418.64
1993-94 (अन.)	547.25
1994-95 (अन.)	607.34

(अ.) –अनन्तिम

(अनु.) –अनुमान

स्रोत: मसाला बोर्ड।

(ग) और (घ) भारत से 140 से भी अधिक देशों को मसालों का निर्यात किया जाता हैं। प्रमुख देश-वार निर्यातों का विस्तृत-विवरण अनुबंध में दिया गया हैं। (देखिए परिशिष्ट 174

, अनुपत्र सं, 5)

अतिथि नियंत्रण आदेश का रद्द किया जाना

93. **श्री अनन्तराय देवशंकर दवे** : क्या खाद्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या केन्द्र सरकार ने राज्य सरकारों को अतिथि नियंत्रण आदेश रद्द करने का आदेश जारी किया हैं;

(ख) यदि हां, तो क्या सभी राज्य सरकारों ने इस आदेश का अनुपालन किया हैं;

(ग) क्या यह आदेश सरकारी पूल में गेहूं और चावल के पर्याप्त भंडार होने के कारण जारी किया गया हैं;

(घ) क्या सरकार सरकारी पूल में गेहूं और चावल की मात्रा में वृद्वि करने का विचार रखती है;

(ड.) क्या सरकार गेहूं और चावल की अच्छी स्थिति को ध्यान में रखते हुए राशन कार्ड द्वारा प्रति व्यक्ति/उपभोक्ता को दिए जाने वाले गेहूं और चावल की मात्रा में वृद्वि करने का विचार रखती हैं; और

(च) यदि हां, तो इनकी कितनी मात्रा में वृद्वि किए जाने की संभावना हैं और उसे कब से लागू किए जाने की संभावना हैं?

खाद्य मंत्री (श्री अजित सिंह) : (क) जी, हां।

(ख)अब तक 16 राज्यों को सूचित किया हैं कि उन्होने अतिथि नियंत्रण आदेश रद्द कर दिया हैं।

(ग) जी, हां।

(घ) से (च) केन्द्रीय पूल में खाद्यान्नों की उपलब्धता, राज्य सरकारों की मांग और उठान प्रवृत्ति आदि को ध्यान में रखकर सार्वजानिक वितरण प्रणाली/सम्पुष्ट सार्वजानिक वितरण प्रणाली के लिए खाद्यान्नों के मासिक आवंटन किए जाते हैं। राज्य के लिए सार्वजानिक वितरण प्रणाली हेतु समग्र रूप से खाद्यान्नों के आवंटन किए जाते हैं। पात्रता मानदंड, प्रति माह प्रति व्यक्ति जारी की जाने वाली राशन की मात्रा आदि के संबंध में निर्णय लेने सहित सार्वजानिक वितरण प्रणाली के क्रियान्वयन का उत्तरदायित्व राज्यों/संघ शासित प्रदेशों का है। तथापि, केन्द्रीय सरकार ने राज्यों/संघ शासित प्रदेशों को यह सुझाव दिया हैं कि वे यह सुनिश्चित करें कि सम्पुष्ट सार्वजानिक वितरण प्रणाली के क्षेत्रों के लिए प्रतिमाह प्रति कार्ड 20 किलोग्राम खाद्यान्न उपलब्ध रहे।

Quality or foodgrains in the market

94. SHRI T. VENKATRAM REDDY:
SHRI G. PRATHAPA REDDY:

Will the Minister of FOOD be pleased to state:

(a) whether better quality of wheat and rice was available in the market in comparison to thai released by the Food Corporation of India to PDS;

(b) if so, whether government are contemplating to set up a national market of foodgrains so that the said Corporation could earn profit and subsidy could be reduced; and

(c) if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF FOOD (SHRI AJIT SINGH): (a) to (c) Food Corporation of India procures Fair Average Quality foodgrains conforming